

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 जनवरी, 2022

सूडान

सूडान के प्रधानमंत्री 'अबदुल्ला हमदोक' ने देश भर में हो रहे लोकतंत्र समर्थक वरिध प्रदर्शनों के बाद त्यागपत्र दे दिया है। प्रदर्शनकारियों ने सूडान में पूर्ण नागरिक शासन की वापसी का आह्वान किया है। सूडान में हजारों लोग सेना के साथ सत्ता साझा करने हेतु प्रधानमंत्री 'अबदुल्ला हमदोक' द्वारा कथि गए एक हालिया सौदे का वरिध कर रहे हैं, गौरतलब है कि इसी वर्ष अक्टूबर माह में सेना ने सूडान में तख्तापलट किया था। सूडान पूर्वी मध्य अफ्रीका में स्थिति है। यह उत्तर में मसिर, उत्तर-पूर्व में लाल सागर, पूर्व में 'इरटिरिया' एवं 'इथियोपिया', दक्षिण में 'दक्षिण सूडान गणराज्य', दक्षिण-पश्चिम में 'मध्य अफ्रीकी गणराज्य', पश्चिम में 'चाड' और उत्तर-पश्चिम में 'लीबिया' से घिरा हुआ है। 'इथोपियन हाइलैंड' से निकलने वाली 'ब्लू नील' और मध्य अफ्रीकी झीलों से निकलने वाली 'वहाइट नील' नदियाँ मलिकर सूडान की राजधानी- 'खार्तूम' में 'नील नदी' का नरिमाण करती हैं, जो उत्तर की ओर मसिर से होते हुए भूमध्य सागर तक प्रवाहित होती है। पेट्रोलियम सूडान का प्रमुख प्राकृतिक संसाधन है। यहाँ क्रोमियम अयस्क, तांबा, लौह अयस्क, अभ्रक, चाँदी, सोना, टंगस्टन और जस्ता के महत्त्वपूर्ण भंडार हैं। भारत-सूडान के संबंध लगभग 5000 वर्ष पुराने सधु घाटी सभ्यता के समय के हैं। बताया जाता है कि सधुवासी अरब सागर और लाल सागर के रास्ते सूडान से व्यापार करते थे।

रानी वेलु नचयार

03 जनवरी, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रानी 'वेलु नचयार' की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रानी वेलु नचयार तमलिनाडु के शविंगंगई ज़िले की 18वीं सदी की रानी हैं, जिन्होंने अपने राज्य को वापस प्राप्त करने हेतु ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। रानी वेलु नचयार को औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ लड़ने वाली पहली रानी के रूप में जाना जाता है। वेलु नचयार का जन्म 3 जनवरी 1730 को हुआ था। उन्हें तीरंदाज़ी, घुड़सवारी, मार्शल आर्ट और विभिन्न हथियारों के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया था। साथ ही वे फ्रेंच, उर्दू और अंगरेज़ी जैसी कई भाषाओं की जानकार भी थीं। 16 वर्ष की उम्र में वेलु नचयार का विवाह शविंगंगई के राजा मुथु वदुगनाथपेरिया से हुआ। वर्ष 1772 में ब्रिटिश सेना और आर्कोट के नवाब ने एक साथ शविंगंगई पर आक्रमण किया। इस युद्ध के दौरान राजा मुथु वदुगनाथपेरिया अपने राज्य के लिये लड़ते हुए मारे गए। वहीं युद्ध के दौरान रानी 'वेलु नचयार' किसी तरह स्वयं को बचाने में सफल हो गईं। इसके पश्चात् उन्होंने आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न राजाओं के साथ गठबंधन किया और अपना राज्य वापस लेने हेतु ब्रिटिश शासन के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया। युद्ध के पश्चात् रानी 'वेलु नचयार' ने अपने राज्य को पुनः प्राप्त कर लिया और अपने शासनकाल के दौरान उन्होंने 'उदइयाल' नामक एक महिला टुकड़ी का गठन भी किया।

वशिव बरेल दविस

दुनिया भर में बरेल (Braille) लिपि के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये प्रतिवर्ष 04 जनवरी को 'वशिव बरेल दविस' का आयोजन किया जाता है। बरेल (Braille) नेत्रहीन और दृष्टिबाधित लोगों के लिये प्रयोग की जाने वाली एक पद्धति है। यह दविस बरेल लिपि के जनक 'लुई बरेल' (फ्रेंस) की जयंती को चहिनति करता है, जिन्होंने वर्ष 1824 में बरेल लिपि का आविष्कार किया था। लुई बरेल का जन्म 4 जनवरी, 1809 को फ्रेंस के एक गाँव में हुआ था और बहुत कम आयु में ही एक दुर्घटना के बाद उनकी आँखों की रोशनी चली गई, जिसके बाद उन्होंने 15 वर्ष की आयु में बरेल लिपि का आविष्कार किया। वर्ष 1824 में बनी इस लिपि को वर्तमान में दुनिया के लगभग सभी देशों में मान्यता मलि चुकी है। वशिव बरेल दविस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नवंबर 2018 में की गई थी और इसका उद्देश्य आम लोगों के बीच बरेल लिपि के बारे में जागरूकता पैदा करना है। वशिव बरेल दविस शिक्कों, सरकारों और गैर-सरकारी संगठनों को नेत्रहीन एवं दृष्टिबाधित लोगों के समक्ष मौजूद चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

संत कुरियाकोस एलियास चावरा

03 जनवरी, 2022 को केरल के कोट्टायम में संत कुरियाकोस एलियास चावरा की 150वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। संत कुरियाकोस एलियास चावरा का जन्म 10 फरवरी, 1805 को त्रावणकोर राज्य के अल्लेप्पी ज़िले के एक छोटे से गाँव में हुआ था। उन्होंने 19वीं शताब्दी में केरल में आध्यात्मिक, शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सुधार हेतु अपना जीवन समर्पित कर दिया। साथ ही उन्होंने सभी समुदाय के बच्चों के लिये स्कूल खोलने और उन्हें मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने की महत्त्वपूर्ण पहल भी की। 23 नवंबर, 2014 को कुरियाकोस एलियास चावरा को पोप फ्रैंसिस द्वारा रोम में आधिकारिक तौर पर 'संत' घोषित किया गया था।

